बिहार विधान परिषद्

189वां सत्र

तारांकित प्रश्न
वर्ग – 2

02 श्रावण, 1940 (श.)
मंगलवार, तिथि ----------
24 जुलाई, 2018 ई.

प्रश्नों की कुल संख्या – 24

1.	स्वास्थ्य विभाग	....	....	14
2.	ऊर्जा विभाग	....	....	05
3.	उद्योग विभाग	....	....	03
4.	अल्पसंख्यक कल्याण विभाग	....	....	01
5.	लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग	....	....	01

			कुल योग –	**24**

आयुष अस्पताल की व्यवस्था

***** 27. **प्रो. नवल किशोर यादव** : क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि वित्तीय वर्ष 2015-16 में केन्द्र सरकार ने राज्यांश सहित आयुष मिशन के लिए 40 (चालीस) करोड़ रुपये दिये थे, जिसमें एक आयुष अस्पताल, उपकरण एवं दवा की खरीदारी होनी थी, लेकिन विभाग यह राशि, अबतक खर्च नहीं कर सका है, जिससे न तो आयुष अस्पताल बन सका है और न ही उपकरण एवं दवा की खरीदारी हो सकी है;

(ख) क्या यह सही है कि विभाग द्वारा नौ करोड़ रुपये की स्वीकृत राशि से आयुष मिशन की ओर से पटना सिटी नवाब मंजिल के पास 50 बेड के स्वीकृत आयुष अस्पताल का निर्माण कराया जाना था, जिसमें आयुर्वेद, यूनानी, होमियोपैथ, योरा व सिंहा के लिए 10-10 बेड लगाने का लक्ष्य था, लेकिन अस्पताल का निर्माण कार्य शुरू नहीं हो सका है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार जिम्मेदार उदासीन पदाधिकारियों पर त्वरित कार्रवाई कर आयुष मिशन में 40 करोड़ रुपये की पड़ी राशि से आयुष अस्पताल बनाने, उपकरण एवं दवा की खरीदारी करने का विचार रखती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों ?

स्वास्थ्य केन्द्र की स्थापना

***** 28. **श्री सुमन कुमार** : क्या मंत्री, स्वास्थ्य निर्माण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि मधुबनी जिलान्तर्गत अंधराठाढ़ी के रतुपार गांव के महादलित टोला (मुसहर टोला) में अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र की स्थापना की मांग वर्षों से की जा रही है;

(ख) क्या यह सही है कि प्रशिक्षित नर्स, डाक्टर एवं कंपाउंडर के अभाव में गांव की बड़ी आबादी को स्वास्थ्य सुविधा का लाभ नहीं मिल पा रहा है;

(ग) क्या यह सही है कि यह बाढ़ ग्रस्त इलाका है और नजदीक का प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र दूर है;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार रतुपार गांव में अतिरिक्त स्वास्थ्य केन्द्र की स्थापना का आदेश देना चाहती है, यदि हां तो कबतक ?

चिकित्सा सुविधा

***** 29. **श्री सोने लाल मेहता** : क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि भारतीय संविधान के अनुच्छेद 47 के आलोक में सरकार ने लोगों के पोषाहार स्तर और जीवन स्तर को ऊंचा करने हेतु राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन कार्य योजना के तहत विभिन्न कार्यक्रमों को सुचारु रूप से चलाने की व्यवस्था की है;

(ख) क्या यह सही है कि वर्तमान में नीति आयोग के सर्वे के अनुसार देश स्तर पर खग़डिया जिला स्वास्थ्य के क्षेत्र में 110 वें स्थान पर और बिहार राज्य के स्तर पर खगडिया जिला स्वास्थ्य क्षेत्र में 13वें स्थान पर है;

(ग) क्या यह सही है कि खगडिया जिला के अलौली प्रखंडान्तर्गत अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र मारणडीह के नाम उपलब्ध जमीन पर स्वास्थ्य भवन निर्माण करने की आवश्यकता है;

(घ) क्या यह सही है कि उक्त अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य मारणडीह अपने भवन के अभाव में जहां तहां क्रियाशील है जिसमें ए.एन.एम. पदस्थापित है;

(ड) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार लोकहित में खंड 'क' 'ख' 'ग' 'घ' पर अंकित स्थिति के आलोक में खगडिया जिला के अलौली प्रखंडान्तर्गत अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र मारणडीह के नाम उपलब्ध जमीन पर शीघ्र भवन निर्माण कर सभी सुविधाओं से लैस चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करना चाहती है, यदि हां तो कबतक ?

कड़ी कार्रवाई

***** 30. **श्री सतीश कुमार** : क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि पूर्वी चम्पारण जिलान्तर्गत कोटवा पीएचसी के निरीक्षण हेतु सिविल सर्जन, मोतिहारी, पूर्वी चम्पारण एक माह पहले गये थे तथा दवाखाने का निरीक्षण करना चाहा परंतु यह कह कर प्रभारी उन्हें करने से रोक दिया गया कि स्टोरकीपर नहीं है;

(ख) क्या यह सही है कि कोटवा प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में हिमालय की दवाओं में फुलकोनाजोल, अमिकासीन तथा प्रसूता मरीजों की दवाइयां थीं जिनको प्रभारी तथा स्टोरकीपर तथा अन्य कर्मियों द्वारा ड्राम में रख कर जमीन में गाड़ दिया गया तथा बोतल एवं अन्य दवाओं को आग के हवाले कर दिया गया तथा कुछ दवाओं को झाड़ियों में फेंक दिया गया जिससे जानकारी के बाद बी.डी.ओ. कोटवा द्वारा कुछ दवाइयों को जब्त किया गया है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, कोटवा में करोड़ों रुपये के मूल्य की दवा को नष्ट करने एवं फेंकने तथा साक्ष्य मिटाने के दोषी प्रभारी, स्टोरकीपर एवं दवा सप्लायर पर कड़ी कार्रवाई करना चाहती है तथा कितने मूल्य के कौन-कौन-सी दवायें बर्बाद हुई हैं, बताना चाहती है, हां तो कबतक, नहीं तो क्यों ?

बिजली की व्यवस्था

***** 31. **श्री केदार नाथ पाण्डेय** : क्या मंत्री, ऊर्जा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि सीवान जिलान्तर्गत दरौंदा प्रखंड के हड़सर पंचायत में पूर्वी एवं पश्चिमी हड़सर, मिल्की, कोल्हुआ, मीराचक, हड़साटाली, चिरैया टोला, आकोपुर, धनौती, धनाडीह आदि गांवों में बिजली के पोल गाड़े गये हैं, लेकिन उनपर तार अभी तक नहीं लगे हैं;

(ख) क्या यह सही है कि इन गांवों में तीस प्रतिशत आबादी अनुसूचित जाति और अत्यंत पिछड़ी जातियों की है;

(ग) क्या यह सही है कि बिजली का तार नहीं होने से इन गांवों में कृषि और छोटे-छोटे कुटीर उद्योग प्रभावित हो रहे हैं;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार इन गांवों में बिजली के तार लगाकर इन्हें कबतक ऊर्जान्वित करना चाहती है ?

डाक्टर की प्रतिनियुक्ति

***** 32. **श्री दिलीप राय** : क्या मंत्री, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि सीतामढ़ी जिलान्तर्गत रुन्नीसैदपुर प्रखंड के छः अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र है परन्तु किसी में भी डाक्टर की प्रतिनियुक्ति नहीं रहने के कारण मरीजों को चिकित्सा में काफी कठिनाई हो रही है;

(ख) यदि उपर्युक्त खंड का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो क्या सरकार उक्त सभी अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य उप केन्द्र में डाक्टर की प्रतिनियुक्ति करने का विचार रखती है, हां तो कबतक, नहीं तो क्यों ?

चिकित्सा सुविधा

***** 33. **श्री राजेश राम** : क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि जहानाबाद जिला के मखदुमपुर थानान्तर्गत पंचायत-पश्चिमी सरेन के ग्राम सरेन अवस्थित 6 बेड का स्वास्थ्य केन्द्र भवन वर्ष 2013 से बनकर तैयार है;

(ख) क्या यह सही है कि उक्त स्वास्थ्य केन्द्र का भवन तैयार हुए लगभग 5 वर्ष हो गए, लेकिन अभी तक उद्घाटन एवं चिकित्सक के पदस्थापन के अभाव में पिछड़ी, अति पिछड़ी, महादलित एवं अल्पसंख्यक निर्धन जनता चिकित्सा से वंचित है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार आम जनता को चिकित्सीय सुविधा उपलब्ध कराने हेतु उक्त स्वास्थ्य केन्द्र को यथाशीघ्र चालू कराने का विचार रखती है, यदि हां तो कबतक ?

विद्युत शुल्क में अन्तर

***** 34. **श्री मो. गुलाम रसूल** : क्या मंत्री, ऊर्जा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि अरवल जिला के नगर परिषद के मुहल्ला न्यू अरवल (टांड़ी) में ग्रामीण क्षेत्र की विद्युत आपूर्ति की जाती है तथा शुल्क शहरी क्षेत्र का लिया जाता है;

(ख) क्या यह सही है कि शहरी क्षेत्र एवं ग्रामीण क्षेत्र के शुल्क में प्रति यूनिट काफी अन्तर होता हे;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार इसके लिए जिम्मेवार पदाधिकारियों के विरुद्ध उचित कार्रवाई करते हुए उक्त मुहल्ला में ग्रामीण क्षेत्र का विद्युत शुल्क लागू करना चाहती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों ?

कर्मचारी, नर्स एवं चिकित्सक की व्यवस्था

***** 35. **श्री राघा चरण साह** : क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि भोजपुर जिला और बक्सर जिला में उप स्वास्थ्य केन्द्र और प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र है;

(ख) क्या यह सही है कि भोजपुर जिला और बक्सर जिला में कितने उप स्वास्थ्य केन्द्र और प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र है;

(ग) क्या यह सही है कि कितने उप स्वास्थ्य और प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में कर्मचारी, नर्स और चिकित्सा पदाधिकारी उपलब्ध है और कितनी जगह रिक्त है;

(घ) क्या यह सही है कि भोजपुर जिला और बक्सर जिला में कितनी जगह उप स्वास्थ्य केन्द्र का भवन है और कितनी जगह किराये के मकान में उप स्वास्थ्य केन्द्र चल रहा है;

(ड) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार कबतक सभी उप स्वास्थ्य केन्द्र में कर्मचारी, नर्स और चिकित्सा पदाधिकारी जनहित में उपलब्ध कराना चाहती है ?

अतिक्रमण हटाने पर विचार

***** 36. **श्री रामचन्द्र भारती** : क्या मंत्री, उद्योग विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि औद्योगिक क्षेत्र फतुहा, पटना में बरसात का पानी इकट्ठा होने के लिए निर्मित गड्ढा के उत्तरी छोर पर क्षेत्रीय पदाधिकारी की सांठ-गांठ से संजीत कुमार द्वारा 70 फीट गड्ढे को भरकर अवैध रूप से अपने कब्जा में ले लिया गया है;

(ख) क्या यह सही है कि उक्त गड्ढे के दक्षिण पूर्वी कोर्नर पर बियाडा द्वारा निमित नाला पर असामाजिक तत्वों द्वारा मंदिर का रूप देकर उक्त स्थल के साथ-साथ आसपास के परिसर पर अवैध रूप से कब्जा बनाकर तरह-तरह का व्यापार चलाया जा रहा है;

(ग) क्या यह सही है कि स्थानीय संगठन द्वारा दिनांक 5.9.2017 को उक्त अतिक्रमण को हटाने के संबंध में अनुरोध किया गया है;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार गड्ढे की दोनों तरफ किये गये अतिक्रमण को हटाना चाहती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों ?

चीनी मिलों का जीर्णोद्धार

***** 37. **श्री प्रेमचन्द्र मिश्रा** : क्या मंत्री, उद्योग विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि मधुबनी जिलान्तर्गत लोहट, सकरी, रैयाम चीनी मिल वर्षों से बंद पड़ा है जिससे जहां एक तरफ किसानों के सामने भुखमरी की समस्या उत्पन्न हो गयी है वहीं दूसरी तरफ बेरोजगारी से नौजवान त्रस्त है;

(ख) यदि उपर्युक्त खंड 'क' का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो क्या सरकार जिला में बंद पड़े चीनी मिलों का जीर्णोद्धार करते हुये पुन: चालू कराने का विचार रखती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों ?

स्वास्थ्य केन्द्र का निर्माण

***** 38. **प्रो. संजय कुमार सिंह** : क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि गया जिलान्तर्गत नगर प्रखंड के कंडी पंचायत में आजादी के 70 सालों के बाद भी आज तक प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र का निर्माण नहीं किया गया है;

(ख) क्या यह सही है कि विभाग उक्त पंचायत में जमीन नहीं रहने का हवाला देकर प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र के निर्माण में रुचि नहीं ले रहा है;

(ग) क्या यह सही है कि उक्त पंचायत के मौजा बीथो, थाना नं.-193, खाता नं.-484, खेसरा नं.-1618, 2915, 2917 रकबा करीब 89 डिसमिल जमीन बिहार सरकार की उपलब्ध है;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार खंड 'क' में वर्णित पंचायत में कबतक प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र का निर्माण कराना चाहती है ?

समुचित आदेश

***** 39. **श्री संतोष कुमार सुमन** : क्या मंत्री, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि गया जिलान्तर्गत इमामगंज प्रखंड मुख्यालय डुमरिया प्रखंड मुख्यालय एवं खिजरसराय प्रखंड के अन्तर्गत ग्राम हकार में वाटर सप्लाई योजना की स्वीकृति क्रमश: 5 वर्ष, 4 वर्ष एवं 1 वर्ष पूर्व में ही दी गई है;

(ख) क्या यह सही है कि इमामगंज प्रखंड मुख्यालय एवं डुमरिया प्रखंड मुख्यालय में वाटर टंकी का निर्माण हो गया है, महकार गांव में वाटर सप्लाई योजना का कार्य प्ररंभ नहीं हुआ जिसके कारण तीनों जगह की जनता सुविधाओं से वंचित है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या ऊपर की तीनों योजनाओं का क्रियान्वयन करने हेतु समुचित आदेश देना चाहती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों ?

ब्लड बैंक की स्थापना

***** 40. **श्री आदित्य नारायण पाण्डेय** : क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि गोपालगंज जिलान्तर्गत गोपालगंज सदर अस्पताल बहुत ही महत्वपूर्ण अति पुराना सदर अस्पताल है जहां प्रतिदिन दो हजार मरीजों का इलाज होता है। बहुत सी गर्भवती महिलाओं के खून की कमी अथवा अभाव में इलाज के दौरान मौत हो जाती है;

(ख) क्या यह सही है कि गोपालगंज सदर अस्पताल में एक भी ब्लड बैंक नहीं है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार गोपालगंज सदर अस्पताल में ब्लड बैंक की स्थापना करने का विचार रखती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों ?

तीन फेज तार की व्यवस्था

***** 41. **श्री संजीव श्याम सिंह** : क्या मंत्री, ऊर्जा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि गया जिला के वजीरगंज प्रखंड अंतर्गत पंचायत विशुनपुर के एरू गांव से विशुनपुर तक जो 11 के.वी.ए. का बिजली तार लगा हुआ है, काफी जर्जर है और केवल दो फेज का ही तार लगा हुआ है;

(ख) क्या यह सही है कि इस 11 के.बी.ए. के तार से विशुनपुर, धर्मपुर, हंसरा एवं कसियाडीह गांव के सैकड़ों ग्रामीणों को बिजली मिलती है;

(ग) क्या यह सही है कि तार के जर्जर रहने से कभी भी बड़ी दुर्घटना घट सकती है;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त जर्जर तार को शीघ्र बदलने एवं तीन फेज का तार लगवाना चाहती है, यदि हां तो कबतक ?

आरक्षण देने पर विचार

***** 42. **श्री टुन जी पाण्डेय** : क्या मंत्री, अल्पसंख्यक कल्याण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि दलित आयोग की तरह पसमांदा मुस्लिम आयोग भी बनाया गया था, बिहार में इस पर क्या काम हो रहा है;

(ख) बिहार में अल्पसंख्यक संस्थानों में आरक्षण कानून लागू किया जाएगा, पसमांदा को दलित की तरह आरक्षण देने का सरकार इरादा रखती है, यदि हां तो कबतक ?

कार्रवाई करने पर विचार

***** 43. **श्री हीरा प्रसाद बिन्द** : क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि मधुबनी जिला के प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, राजनगर में राष्ट्रीय बाल सुरक्षा कार्यक्रम के अन्तर्गत दो निजी वाहन (बोलेरो) बी.आर.-10बी.-7361 एवं डी.एल.-9सी.-5577 को परिचालन हेतु तत्कालीन प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी द्वारा हस्ताक्षरित एवं सत्यापित करने के बाद 10 जुलाई, 2016 से वर्ष 2019 तक की अवधि के लिए भाड़े पर लिया गया था;

(ख) क्या यह सही है कि तत्कालीन प्रभारी अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, मधुबनी के पत्रांक-196, दिनांक-19.8.2017 के आलोक में जिला परिवहन पदाधिकारी, भागलपुर ने अपने पत्रांक-1854, दिनांक-1.9.2017 द्वारा प्रतिवेदित किया कि वाहन संख्या-बी.आर.-10बी..-7361 मोटर साईकिल के रूप में निबंधित है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो जालसाजी कर गलत वाहन को सरकारी कार्य में परिचालन हेतु भाड़ा पर लेने वाले चिकित्सा पदाधिकारी तथा भाड़ा पर देने वाली एजेंसी के विरुद्ध सरकार कौन-सी कार्रवाई करने का विचार रखती है ?

वाहनों का परिचालन

***** 44. **डा. दिलीप कुमार जायसवाल** : क्या मंत्री, ऊर्जा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि बिहार राज्य स्टेट पावर होल्डिंग कम्पनी मुख्यालय एवं अधीनस्थ कम्पनियों के व्यावसयिक वाहनों को भाड़े पर लेकर इसका उपयोग किया जा रहा है तथा इस मद में प्रतिमाह करोड़ों की राशि का भुगतान भाड़े के रूप में होता है;

(ख) क्या यह सही है कि राज्य सरकार द्वारा राज्य पर्यटन निगम द्वारा संचालित व्यावसायिक वाहनों को प्राथमिकता देने का प्रावधान है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार बिहार राज्य स्टेट पावर होल्डिंग कम्पनी मुख्यालय एवं अधीनस्थ कम्पनियों के पदाधिकारियों द्वारा इस मद में किए गए भुगतान की जांच करवाते हुए भविष्य में बिहार राज्य पर्यटन विभाग द्वारा संधारित वाहनों का परिचालन सुनिश्चित करवाना चाहती है, यदि हां तो कबतक ?

लक्ष्य की प्राप्ति

***** 45. **प्रो. नवल किशोर यादव** एवं **श्री राधा चरण साह** : क्या मंत्री, उद्योग विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि वर्ष 2005 से लेकर अभी तक राज्य में कितने उद्योगों की स्थापना हुई है;

(ख) क्या यह सही है कि सरकार ने वर्ष 2005 में यह आकलन किया था कि यदि राज्य में सवा लाख करोड़ रु. का औद्योगिक निवेश हो जाये, तो राज्य के नागरिकों का जीवन स्तर राष्ट्रीय जीवन स्तर के समरूप हो जायेगा;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार ने राष्ट्रीय विकास दर के अनुरूप राज्य के नागरिकों का जीवन स्तर पहुंचने के लिए क्या-क्या योजनाएं लागू की हैं तथा उनका अभीतक का फलाफल क्या है तथा कबतक इस लक्ष्य को प्राप्त करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, अभीतक लक्ष्य प्राप्त नहीं होने के क्या कारण है ?

चिकित्सा सुविधा

***** 46. **श्री सोने लाल मेहता** : क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि भारतीय संविधान के अनुच्छेद-47 के आलोक में सरकार लोगों के पोषाहार स्तर और जीवन स्तर को ऊंचा करने हेतु राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन कार्ययोजना के तहत विभिन्न कार्यक्रमों को सुचारु रूप से चलाने की व्यवस्था की है;

(ख) क्या यह सही है कि वर्तमान में नीति आयेाग के सर्वे के अनुसार भारत देश स्तर पर खगडिया जिला स्वास्थ्य के क्षेत्र में 110 वें स्थान पर और बिहार राज्य के स्तर पर खगडिया जिला स्वास्थ्य के क्षेत्र में 13 वें स्थान पर है;

(ग) क्या यह सही है कि खगडिया जिला के अलौली प्रखंड अंतर्गत अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, बहादुर के नाम उपलब्ध जमीन पर स्वास्थ्य भवन निर्माण करने की आवश्यकता है;

(घ) क्या यह सही है कि उक्त अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, बहादुरपुर जहां तहां क्रियाशील है जिसमें ए.एन.एम. पदस्थापित है;

(ड) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार लोकहित में खंड 'क', 'ख', 'ग', 'घ' पर अंकित स्थिति के अलोक में खगडिया जिला के अलौली प्रखंडान्तर्गत अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, बहादुरपुर के नाम उपलब्ध जमीन पर शीघ्र भवन निर्माणकर सभी सुविधाओं से लैस चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करना चाहती है, यदि हां तो कबतक ?

विरमित करने पर विचार

***** 47. **श्री केदार नाथ पाण्डेय** : क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि निदेशक प्रमुख, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण स्वास्थ्य सेवाएं बिहार पटना के पत्रांक-526(4) दिनांक-17.5.18 के आलोक में सिविल सर्जन, पटना के ज्ञापांक-4127, दिनांक-7.6.18 एवं सिविल सर्जन, भोजपुर के पत्रांक-2448, दिनांक-18.6.18 के द्वारा कई लिपिकों का स्थानान्तरण किया गया है;

(ख) क्या यह सही है कि उक्त कर्मियों के विरमन की कार्रवाई नहीं की गयी है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त स्थानान्तरित कर्मियों का पदस्थापन स्थान पर विरमित करने का विचार रखती है, यदि हां तो कबतक ?

पदस्थापन का आदेश

***** 48. **श्री संतोष कुमार सुमन** : क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि गया जिला अन्तर्गत ग्राम महकार (खिजरसराय) में एक सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र की स्वीकृति मिली है एवं कार्यरत है;

(ख) क्या यह सही है कि मानक के अनुरूप में महकार सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में चिकित्सकों, परिचारिकाओं एवं अन्य स्टाफ की पदस्थापना नहीं हुई है जिसके चलते सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र का काम बाधित हो रहा है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र महकार (खिजरसराय) में तीन एम.बी.बी.एस. चिकित्सक, पांच ए.एन.एम. ग्रेड 1 एवं अन्य कर्मचारियों के पदस्थापन का आदेश देना चाहेगी, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों ?

कठोर कार्रवाई

***** 49. **श्री प्रेमचन्द्र मिश्रा** : क्या मंत्री, ऊर्जा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि अररिया जिलान्तर्गत बथनाहा में 8 मेगावाट क्षमता की पनबिजली परियोजना स्थापित करने के लिए नाबार्ड द्वारा रु. 5649.67 करोड़ राशि इस शर्त पर स्वीकृत की गयी थी कि इसकी अनुमानित लागत का 5 प्रतिशत राज्य सरकार और 95 प्रतिशत नाबार्ड वहन करेगा;

(ख) क्या यह सही है कि इस परियोजना के सिविल वर्क के लिए मेसर्स रक्सोल-सियरा इंजीनियरिंग क.प्र.लि. एवं इलेक्ट्रिकल और मैकेनिकल इक्यूपमेंट की आपूर्ति हेतु बी.एच.पी.पी. द्वारा मेसर्स एच.पी.पी. (इंडिया) प्रा.लि. के साथ एकरारनामा किया गया;

(ग) क्या यह सही है कि परियोजना के 40 प्रतिशत कार्य पूरा हो जाने के बाद मा. ऊर्जा मंत्री द्वारा स्थल निरीक्षण के कार्य पर संतोष प्रकट किया गया;

(घ) क्या यह सही है कि 13.2.18 को इस परियोजना के संवेदक को डिवाटरिंग मद में 13.51 करोड़ रुपया भुगतान कर परियोजना को असम्भाव्य मानकर बंद कर दिया गया है और संवेदक को डिवाटरिंग मद के विरुद्ध भुगतान करने के पूर्व उससे हुई भौतिक प्रगति का आकलन नहीं किया गया है;

(ड) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार बताये कि इसके लिए दोषी कौन है और उसपर कठोर कार्रवाई कबतक करना चाहती है ?

जिलों की सूची जारी

***** 50. **डा. दिलीप कुमार जायसवाल** : क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि राज्य सरकार सभी जिलों में सुपर स्पेशियलिस्ट हॉस्पिटल खोलने की नीति निर्धारित की हुई है;

(ख) क्या यह सही है कि राज्य सरकार द्वारा कुछ जिलों में सुपर स्पेशियलिस्ट हॉस्पिटल खोला भी गया है;

(ग) क्या यह सही है कि सरकार द्वारा शेष जिलों में भी सुपर स्पेशियलिस्ट हॉस्पिटल खोलने का इरादा है;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार खंड 'ख' एवं 'ग' कोटि के जिलों की सूची जारी करना चाहती है, यदि हां तो कबतक ?

पटना
दिनांक 24 जुलाई, 2018 ई.

सुनील कुमार पंवार
सचिव
बिहार विधान परिषद्